

फरेबी वि. (फा.) कपट-संबंधी, धोखेबाज, जालसाज, कपटी, छलिया।

फरेरी स्त्री. (देश.) जंगल की मेवा, जंगली फल।

फरोखत स्त्री. (फा.) बिक्री, विक्रय।

फरोश स्त्री. (फा.) विक्रय करने वाली/वाला।

फर्क पुं. (अर.) 1. पार्थक्य, अलगाव 2. दूरी, अंतर।

फर्ज पुं. (अर.) 1. कर्तव्य, कर्म, किए जाने योग्य कार्य 2. कल्पनात्मक बात की अस्थाई स्वीकृति, कुछ समय के लिए मानी हुई बात।

फर्जद पुं. (फा.) पुत्र, बेटा।

फर्जी पुं. (तत्.) दे. फरजी।

फर्द पुं. (तत्.) दे. फरद।

फर्नपत्र पुं. (अं.+तत्.) (वन.) तने/स्कंध का मुकुलित होता हुआ अग्रभाग।

फर्फटा पुं. (देश.) 1. फर-फर की ध्वनि होने की क्रिया/भाव 2. सातत्य, बिना रुके 3. वेग, तीव्रता 4. क्षिप्रता, फर्फटे से दौड़ जाना।

फर्फाश पुं. (अर.) 1. तंबू गाड़ने, फर्श बिछाने, सफाई आदि का काम करने वाला व्यक्ति 2. सेवक, नौकर।

फर्फाशी वि. (अर.) 1. फर्श से संबंध रखने वाला 2. फर्फाश के कार्य से संबंध रखने वाला 3. फर्श पर बिछाने के लिए प्रयुक्त होने वाला 4. सभा आदि में बिछावन, प्रकाश आदि की व्यवस्था स्त्री. फर्फाश का कार्य अथवा फर्फाश का पद।

फर्श पुं. (तत्.) दे. फरश।

फर्शी वि. (अर.) 1. फर्श से संबद्ध वस्तु 2. फर्श पर रखी जाने वाली (वस्तु) 2. स्त्री. एक धातुपात्र जिस पर नलिया लगा कर हुक्के के रूप में प्रयोग किया जाता है।

फलंत पुं. (तत्.) वृक्षों और वनस्पतियों का फलना या फलयुक्त होना, फलदार होना।

फल पुं. (तत्.) 1. वृक्षों पर ऋतु अनुसार लगने वाले स्वादिष्ट, रस एवं गूदे से युक्त बीज-कोश,

अंगूर, सेब आदि 2. फसल, पैदावार 3. परिणाम, नतीजा, प्रभाव 4. सुख-दुख आदि के रूप में मिलने वाला कर्मों का परिणाम 5. पुरस्कार, पारितोषिक, क्षतिपूर्ति आदि 6. धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष इन चार पुरुषार्थों में से प्रत्येक 7. फलित ज्योतिष के अनुसार सुख, दुःख आदि के रूप में होने वाले ग्रहों के योग अथवा स्थिति का परिणाम 8. उपयोग, भलाई, हित आदि 9. भाले, तीरों आदि की नोक 10. तलवार की धार 11. हल की नोंक 12. पट्टिका या फल 13. किसी गणितीय प्रक्रिया का अंतिम परिणाम 14. लाभ अथवा मूल-राशि का ब्याज 15. पद्य आदि में चार की संख्या 16. उद्देश्य, आशय, प्रयोजन।

फलक पुं. (अर.) आसमान, आकाश, अंबर, गगन।

फलक पुं. (तत्.) 1. पटल, शिला पट्टिका, पट्टी, लकड़ी का तख्ता 2. धातु अथवा गत्ते आदि से विनिर्मित पट्ट जो लिखते अथवा चित्रकारी करते समय आधार का काम दे 3. पुस्तक का पृष्ठ 4. चपटी सतह 5. ढाल 6. नितंब, कूल्हा 7. हाथ की हथेली गणि. किसी ठोस आकृति को परिबद्ध करने वाला समतल पृष्ठ।

फलकना अ.क्रि. (देश.) छलकना, तरल या द्रव वस्तु का उछलना, पात्र से निकल जाना, छितरना, फैल जाना, उमड़ना, छलकन, भरे हुए पात्र से द्रव पदार्थ का छलकना।

फलकर पुं. (तत्.) 1. वृक्षों के फल पर लगाया जाने वाला कर या टैक्स, फलों पर लगने वाला महसूल 2. फलित होकर।

फलका पुं. (देश.) जलने या चोट आदि लगने से शरीर पर होने वाला चमड़ी का उभार या फूलना, फफोला, छाला।

फलकृषि स्त्री. (तत्.) फलों की कृषि या खेती, फल उगाने का व्यवसाय।

फलग्राही वि. (तत्.) 1. फल या परिणाम पाने वाला या फल भोगने वाला 2. पेड़, वनस्पति।

फलतः क्रि.वि. (तत्.) 1. फल के रूप में, परिणामस्वरूप 2. कारणवश।